वर्ष 2015-16 के लिए
ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा

पृष्ठभूमि:

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड (बीसीएल) को 1930 में निजी क्षेत्र के संगठन के रूप में निगमित किया गया था। भारत सरकार ने 1976 में इसका राष्ट्रीयकरण किया और यह सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बन गया। यह कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में थी और 30.05.1987 से भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई। फिलहाल, बीसीएल 06.08.2010 से रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

भारतीय रेल की आवश्यकतानुसार माल डिब्बों का विनिर्माण, ढांचागत फेब्रीकेशन कार्य और विनिर्माण, ईओटी क्रेनों की रेट्रोफिटिंग, कंपनी की मुख्य गतिविधियां है। 2015-16 के दौरान बीसीएल ने मरम्मत किए गए माल डिब्बों के नवीकरण (रिफर्बीशिंग) के नए क्षेत्र में प्रवेश किया और 2015-16 के दौरान मरम्मत किए गए कुल 1269 माल डिब्बों का नवीकरण करने में सफल रहा है। बीसीएल रेलों से इतर ग्राहकों के लिए भी माल डिब्बों का विनिर्माण कर रहा है।

वास्तविक निष्पादन:

विवरण	2015-16	2014-15
माल डिब्बे (अदद)	526	738
मरम्मतशुदा माल डिब्बे (अदद)	1269	-
बोगी (अदद)	1078	1514
ढांचागत फैब्रिकेशन (टन)	2490	-

वित्तीय निष्पादन:

(लाख रुपए में)

विवरण	2015-16	2014-15
सकल उत्पादन	18205.23	20,436.60
बिक्री	12,070.32	12,411.07
सकल मार्जिन	441.67	(3,956.84)
मूल्यह्रास	172.62	288.83
बैंक और अन्य ब्याज	204.57	215.36
कर पूर्व लाभ	64.48	(4,461.03)
शुद्ध लाभ (कर पश्चात)	64.48	(4,461.03)

2015-16 के दौरान उपलब्धियां:

1. फरवरी, 2016 में 188 अदद मरम्मतशुदा माल डिब्बों का नवीकरण किया गया जो किसी विशेष माह में उच्चतम है।
2. बीसीएल ने भारतीय रेल के लिए सबसे पहले बॉक्सएन माल डिब्बा (25टी धुरा भार) विकसित किया है जिसे समर्पित माल यातायात गलियारे में उपयोग किया जाएगा।
3. बीसीएल ने नेशनल डेयरी डेवलेपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) हेतु उच्चतर ढुलाई क्षमता और बेहतर थर्मल इंसुलेशन एवं उन्नत ब्रेक प्रणाली वाले रेल मिल्क टैंक वैनों को विकसित किया है।
4. निकट भविष्य में प्रदर्शन के लिए कंपनी की दीर्घकालिक क्षमता को देखते हुए ब्रिकवर्क रेटिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को बीबी से बढ़ाकर बीबी+ कर दिया गया है।

वित्तीय स्थिति और पूंजी संरचना:

(लाख रुपए में)

विवरण	2015-16	2014-15
इक्विटी और दायिताएं		
जारी एवं अभिदत्त पूंजी	2,942.26	2,459.68
रिजर्व एवं अधिशेष	(2,125.43)	(2,189.91)
गैर-चालू दायिताएं	5,283.87	5,065.00
चालू दायिताएं	10,903.22	7,892.21
जोड़	**17,003.92**	**13,226.98**
परिसंपत्तियां		
स्थायी परिसंपत्तियां	2,493.40	2,579.54
अस्थायी परिसंपत्तियां	14,510.52	10,647.44
जोड़	**17,003.92**	**13,226.98**

कंपनी का विकास एवं भावी दष्टिकोण:

अस्वाभाविक वर्ष 2014-15 के पश्चात, जहां कंपनी ने 44.61 करोड़ रुपए की हानि वहन की, चालू वर्ष 2015-16 एक ऐसे वर्ष में बदला जहां कंपनी अपने प्रदर्शन को स्थिर रख सकी और 0.64 करोड़ रुपए का मामूली लाभ अर्जित किया। यह रेलवे बोर्ड की कतिपय सहायता एवं परामर्श के कारण संभव हुआ था जिसका सकारात्मक प्रभाव कंपनी द्वारा दर्ज किए गए परिणामों से प्रदर्शित होता है।

भारतीय रेल अपने रेल नेटवर्क द्वारा कार्गो के किफायती संचलन के लिए अपने योजनागत परिव्यय को बढ़ा रही है। इस क्षेत्र में मंत्रालय के लिए उच्च गति, कम टेयर भार बॉक्सएन माल डिब्बों के विकास के लिए बीसीएल चुनी गई है जिसने भारत में सर्वप्रथम वाणिज्यिक उपयोग के लिए सफलतापूर्वक विनिर्माण किया है। समष्टिगत और व्यष्टिगत आर्थिक कारक समर्पित माल यातायात गलियारे को लागू करने के लिए इस प्रकार के विशेषीकृत माल डिब्बों की वृहतर मांग करते हैं। कंपनी ने वर्ष के दौरान इस प्रकार के

500 माल डिब्बों का आदेश भी प्राप्त किया है। तदनुसार, आगामी वर्षों में अन्य प्रकार के डिब्बों सहित बड़े पैमाने पर बॉक्सएन माल डिब्बों के उत्पादन करने की आशा है, जो कंपनी को आमदनी का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराएगा।

इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि रेल मंत्रालय ने बीसीएल को 2109 माल डिब्बों की बड़े पैमाने पर मरम्मत हेतु थोक आदेश भी जारी किया है और कंपनी ने अभी तक 1269 का कार्य पूरा कर दिया है।

कंपनी मैसर्स एनटीपीसी के लिए 145 अदद बीओबीआरएनएचएसएम2 माल डिब्बों और मैसर्स राइट्स के लिए मिल्क टैंक वैनों का विनिर्माण कर रही है। कंपनी अपनी भावी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ढांचागत परियोजनाओं, क्रेनों और बॉयो शौचालयों आदि में विदेशी सहायता/समर्थन के साथ उत्पादन विविधीकरण हेतु योजना भी तैयार कर रही है।